The Sameeksha (समीक्षा) Global: A Multidisciplinary Journal in Hindi
Vol 1, Issue 1 - 2017

भारतीय पर्यटनः कला और सांस्कृतिक परिदृश्य

भोजराज बारस्कर*

भूमिका

पर्यटन एक ऐसी यात्रा है, जो मनोरंजन या फुरसत के क्षणों का आनन्द उठाने के उद्देश्यों से की जाती है। विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार, पर्यटक वे लोग हैं जो "यात्रा करके अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थानों में रहने जाते हैं, यह दौरा ज्यादा से ज्यादा एक साल के लिए मनोरंजन, व्यापार, अन्य उद्देश्यों से किया जाता है, यह उस स्थान पर किसी खास क्रिया से सम्बंधित नहीं होता है। पर्यटन दुनिया भर में एक आरामपूर्ण गतिविधि के रूप मे लोकप्रिय हो गया है।" भारतीय परम्परा के अनुसार कला उन सारी क्रियाओं को कहते हैं जिनमें कौशल अपेक्षित हो। यूरोपीय शास्त्रियों ने भी कला में कौशल को महत्वपूर्ण माना है। कला एक प्रकार का कृत्रिम निर्माण है जिसमें शारीरिक और मानसिक कौशलों का प्रयोग होता है।"

"भारतीय संस्कृति विश्व की प्रधान संस्कृति है, जिसे देव संस्कृति कहकर सम्मानित किया गया है। प्राचीन काल से ही भारत एक अत्यन्त ही विविधता सम्पन्न देश रहा है और यह विशेषता आज भी समय की घड़ी पर अंकित है। यहां पृथक पृथक मान्यताएँ, लोगों के रिवाज और दृष्टिकोणों के विभिन्न रंगों से सजा यह देख अतीत को भूत, वर्तमान एवं भविष्य की आँखों से देखने के लिए आह्वान कर रहा है। किन्तु बहुरंगी सभ्यता एवं संस्कृति वाले देश के सभी आयामों को समझने का प्रयास इतना आसन नहीं है। भारत की विविधता हमें स्थलों के अनुशीलन में भी दिखाई देती है। ऐतिहासिक स्थलों के अध्ययन तथा विवेचन में भारतीय संस्कृति का स्वरूप स्वयं प्रकाशित होता है। प्राचीन काल से ही भव्य देवालयों और धर्म स्थलों से भरपूर भारत स्थापत्य कला के लिए विश्व प्रसिद्ध है। अनेक धर्म और परंपराओं से सजा भारत अपने भीतर हजारों धार्मिक स्थल बसाए हुए है। जो पूरे भारत में देशी विदेशी पर्यटकों और श्रद्धालुओं का मुख्य आकर्षण है।

कला और सांस्कृतिक परिदृश्य

भारत, संसार के प्राचीनतम देशों में से एक है, जो कलात्मक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक रूप से बहुत सुंदर हैं, जो विभिन्न भारतीय शहरों मे आकर्षक ऐतिहासिक स्थलों, पारंपरिक स्थलों, रहस्यमय स्थानों, सहित आकर्षक पर्यटक स्थलों से भरा हुआ है। जिसके कारण भारत पर्यटन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यहां पूरी दुनिया के अलग–अलग स्थानों से लोग खूबसूरत स्थानों पर घूमने, देखने और पर्यटन के लिए आते हैं। वे अपने देश वापस जाकर भारत के ऐतिहासिक स्थलों के बारे में कहानियाँ लिखते हैं। वे अपने देश में भारत के ऐतिहासिक स्थलों के बारे में प्रशंसा करते हैं और भारत में पर्यटन को बढ़ावा देते हैं। वास्तु–कला संबंधी और सांस्कृतिक दृष्टि से भारत पूरे विश्व में सबसे प्रसिद्ध दशों में से एक है। यहाँ परिधान, खान–पान, संस्कृति, परपरा, भाषा, रहन–सहन का स्तर आदि मे

*शोधार्थी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश। ***Correspondence E-mail Id:*** editor@eurekajournals.com

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

विभिन्न धर्मों की उपस्थिति के कारण पूरे देश में विविधता पायी जाती है। इसलिए लोग अपने जीवन में कम से कम एक बार भारत को देखने के लिए उत्साहित होते हैं।

ऐतिहासिक और शांतिपूर्ण दृश्यों को देखने के लिए भारत एकदम सही स्थान है। भारत सबसे अधिक जनसंख्या वाला बहुसंस्कृति देश हैं, जो विविधता में एकता के लिए भी प्रसिद्ध है। यह पूरे विश्वभर में प्रसिद्ध नेताओं जैसेः महात्मा गांधी, गौतम बुद्ध, रानी लक्ष्मीबाई, रतन टाटा आदि महापुरूषो की मातृभूमि है। यह पूरी तरह से विकसित शहरों, ऐतिहासिक विरासतों, स्मारकों और अन्य देखने योग्य स्थलों जैसेः ताजमहल, हिमालय की पहाडियों, बंगाल के चीते, आदि भारत के पर्यटन के आइकन माने जाने वाले, पर्यटन के तत्व शामिल है। गोवा और केरल मे उन लोगो के लिए बहुत से प्रसिद्ध समुद्र तट है, जो भारत में सूर्य पर्यटन के लिए तटों को प्राथमिकता देते हैं। "मध्य प्रदेश में पन्नमढ़ी पहाड़ी स्थल मालवा प्रदेश का महत्वपूर्ण मनोरंजन केंद्र होने के साथ–साथ 'सतपुड़ा की रानी' के नाम से प्रसिद्ध है। यह स्थान पर्यटकों के लिए स्वर्ग हैं, जहां पहुँचने के लिए हरे–भरे वृक्षो के मध्य पहाड़ी रास्ता निश्चित ही आनंददायक मार्ग प्रशस्त करता है।"

वे लोग जो अनोखी चीजे देखना पसंद करते है, वो भारत में खजुराहो के मंदिर में पर्यटन के लिए जा सकते है, जो प्रारंभिक मध्ययुगीन काल के भारत का इतिहास बताने के लिए शानदार कला को रखते हैं। विविध रोचक और मनोरंजक मौसमी मेलों, त्योंहारों और कार्यक्रम समारोह नियमित रूप से भारत में आयोजित होते हैं, जो वास्तव में लोगों का दिल जीत लेते हैं। वे लोग जो जीवन में एक बार भारत में आते है वास्तव में भारत की आत्मा को महसूस करते है।

भारत में आकर्षक पर्यटन स्थल है, जिसके कारण पूरे विष्व भर से लोग हर साल भारी भीड के रूप में भ्रमण स्थलों को देखने के लिए आते है। भारत में विश्वस्तरीय गगनचुंबी इमारतों को रखने वाले बहुत से बड़े शहर है। यहां खूबसूरत ताजमहल, हिमालय के उत्कृष्ट प्रवेश द्वार, रॉयल बंगाल टाइगर, लोट्स टैम्पल, काशी विश्वनाथ मंदिर, इंडिया गेट, लाल किला, फतेहपुर सीकरी, आगरा का किला, हूमायूं का मकबरा, कुतुब मीनार, हरमंदिर साहिब, आमेर किला, अक्षरधाम, हवा महल, सिटी पैलेस जयपुर, गेटवे ऑफ इंडिया, गैरूर पैलेरा, मीनाक्षी अम्मन मंदिर, गोलकुंडा, जामा मस्जिद दिल्ली, लोदी गार्डन, सिद्धिविनायक मंदिर मुंबई, महाबोधि मंदिर, गुरूद्वारा बंगला साहिब, चार मीनार, लेक पैलेस, जंतर–मंतर, सिटी पैलेस उदयपुर, डल झील, फलकनुमा पैलेस, वेंकेटश्वर मंदिर तिरूमाला और बहुत सी ऐतिहासिक इमारतों का घर है। भारत के अन्य पर्यटक स्थल श्रीनगर, षिमला, गोवा, कुर्ग, ऊटी, दार्जिलिंग, वाराणसी, महाबलेश्वर, पुणे, गंगटोक, इम्फाल, काजीरंगा, कश्मीर, कन्याकुमारी, केरल, अजंता एलोरा, लद्दाख आदि प्रमुख है। भारत में सांस्कृतिक व रोचक गतिविधियों की विविधता जैसेः पानी के खेल, नौकायन, रफ्टिंग डाइविंग, राफ्टिंग, स्कीइंग पर्वतारोहण, घर वाली नौका, शीतकालीन खेल, आदि भारत में पर्यटन को बढ़ावा देते है।

देश के आर्थिक विकास में पर्यटन बहुत ही महत्वपूर्ण स्त्रोत है। यद्यपि पर्यटन स्थलो को पर्यटकों के लिए स्वाच्छ, अधिक आकर्षित, सुरक्षित करने के उद्देश्य से पहले, निवेश करने की आवश्यकता है। यदि हम देश में पर्यटन के स्तर का विश्लेषण करे तो एक सवाल उठता है कि हमने अपने देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या किया? क्या हमने देश के सभी गाँवों, कस्बों और

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.

शहरों में उचित साफ–सफाई और स्वच्छता को बनाये रखा है? केवल ऐतिहासिक इमारतों, स्मारकों और विरासतों आदि से भरे होने पर पर्यटक आकर्षित नही होते। पर्यटक किसी भी देष की पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, सुरक्षा आदि को भी देखते हैं।

लोगों को पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 2005 में भारतीय पर्यटन विकास निगम द्वारा 'अतुल्य भारत' के नाम से एक अभियान शुरू किया गया। भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन स्थानों को भी विभागों के तहत विभाजित किया गया हैं जैसे: अध्यात्मिक पर्यटन', पर्यावरणीय पर्यटन', 'स्पा पर्यटन' और 'सामूहिक पर्यटन' आदि। विदेशों से पर्यटकों के आकर्षित करने के लिए देष की सरकार को पर्यटक स्थलों को पर्यटकों के लिए आकर्षक, सुरक्षित बनाने के लिए कुछ धन का निवश करने की आवश्यकता है। दूसरे दशों के पर्यटको को पर्यटन स्थल के बारे में सहो से दिशा निर्देशित करने के लिए कुछ पेशेवर गाइडो को नियुक्त करने की आवश्यकता है। पर्यटन स्थलों को कुछ सामान्य सुविधाओं जैसे: उचित वातावरण, सुविधापूर्ण होटल, कारों–टैक्सियों की व्यवस्था, 24 घंटे बिजली की आपूर्ति, स्वच्छ पानी की आपूर्ति आदि को पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए और कठिनाई मुक्त यात्रा तथा कडे सुरक्षा प्रबधों की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. मध्य प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र: पचमढ़ी के विशेष संदर्भ में: डॉ. शशिकिरण नायक, द्विमासिक: रचना, मार्च–जून, 2015.
[2]. वाटर्स, आर. एस.: मॉर्फोलॉजिकल मैपिंग ज्याग्राफी, 1958.
[3]. प्रियोब्रेजेन्कसी, बी.एस. एण्ड क्रिवोसियेव : रिक्रेशन्ल ज्योग्राफी ऑफ द यू.एस. आर (इडि.)प्रोगेस पब्लिकेशन मास्को।
[4]. इन्टरनेट: पर्यटन–विकिपीडिया।
[5]. इन्टरनेट: संस्कृति–विकिपीडिया।
[6]. इन्टरनेट: कला–विकिपोडिया।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.